[Shri Tiridivanam G. Venkataraman;]

Is the Government thinking of introducing a Group Insurance Scheme for the workers?

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR: Madam as of now, the plantation workers are covered by the Workmen's Compensation Act. They are getting all the benefits available under the Workmen's Compensation Act. The hon. Member has asked about group insurance. I think majority of the workers are members of the EPF organisations.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATARAMAN: I am not talking about provident fund.

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR: In the EPF scheme, we have the Deposit-linked Insurance Scheme.

SHRI TINDTVANAM G. VENKATARAMAN: Provident fund is different from insurance.

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR: We have the Deposit-linked Insurance (DO) Scheme. All the plantation workers are covered by it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Now the question is:

> "That the Bill further to amend the Plantations Labour Act, 1951, be taken into consideration."

The motion was adopted}'

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): We shall now take up clause-by-clause consideration of the Bill.

Clauses 2 *to* 25 *were added to the Bill.*

Clause 1, *the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.*

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR: Madam, I move:

That the Bill be passed.

The question was put and the motion was adopted.

ALLOTMENT OF TIME FOR CONSIDERATION OF THE BANKING COMPANIES (ACQUISITION AND TRANSFER OF UNDERTAKINGS) AMENDMENT BILL

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): I have to inform the Members that the Business Advisory Committee at its meeting held to day, 30th July, 1992, allotted 3 hours for consideration and passing of the Banking Companies. (Acquisition and Transfer of Undertakings) Amendment Bill, after it is passed by the Lok Sabha.

CLARIFICATIONS ON THE STATEMENT BY MINISTER REGARDING ROCKET ATTACKS IN SRINAGAR AND SITUATION IN DODA TOWN

डा० बलदेव प्रकाश (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मंत्री महोदय ने जो वक्तव्य दिया है श्रीनगर पर राकेट दागे जाने और डोडा कस्बे की स्थिति के बारे में, उसके बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि मंत्री महोदय ने स्थिति की गंभीरता को कम करके यह वक्तव्य दिया है कि पहले से गुणात्मक परिवर्तन जम्मू और कश्मीर की स्थिति में आया है । उस परिवर्तन की मंत्री महोदय ने व्याख्या नहीं की, केवल इतना ही कहा है कि प्रशासन और जनता में आपस में इंटरएक्शन संभव हो सका है और कुछ सूचना वगैरह अधिक मिली है । मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह उनकी जानकारी में है कि डोडा जिले में चिदा और चांदा, दो स्थान हैं, जहां पर आज भी आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैम्प चल रहे हैं? डोडा जिले में एक हजार से अधिक ट्रेण्ड आतंकवादी इस वक्त वहां मौजूद हैं और इसके अलावा जो बाकी आबादी है वह उनके साथ संपर्क रखती है और उनको गोला-बारूद और हथियार पहुंचाने के लिये लगे रहते हैं, यह डोडा की घटना से बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है । उसी रास्ते से यह सभी आतंकवादी ट्रेनिंग लेकर आते हैं, जहां पर सन् 1950 में इनफिलट्रेशन हुई थी बड़ी मात्रा

में . . . (समय की घंटी) . . अभी तो बहुत पड़ा है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): You have to ask clarifications. Do not give a speech. Please be brief.

डा० बलदेव प्रकाश : स्पीच नहीं कर रहा, मैडम । मैं यह पूछना चाहता हूं मंत्री महोदय से, कि क्या यह उनकी जानकारी में है ? मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि उस दिन क्या कारण था कि जिले के सभी मुख्य आफिसर अनुपस्थित थे । क्योंकि डिप्टी कमीश्नर नहीं था, एस०पी० नहीं था, डी०आई० जी० नहीं था और आपने कहा है कि इंटर-एक्शन हो गया है । इंटर-एक्शन यह क्या हुआ वहां पर कि घरों से पुलिस पर और सी०आर०पी०एफ० पर गोलियां चलनी शुरू हो गई ?

महोदया, इन्होंने वक्तव्य में कहा कि किसी भी पुलिस थाने पर या पुलिस स्टेशन पर या सरकारी दफ्तर पर आतंकवादियों का कब्जा नहीं हुआ, लेकिन सारे डोडा कस्बे पर उनका कब्जा था । तीन घंटे तक गोली-बारी हुई और तब जाकर स्थिति सामान्य हुई, जब वहां पर सेना पहुंची । वक्तव्य में मंत्री महोदय ने कहा है कि निकट के स्थान से सेना वहां गई । जिस स्थान से सेना आई, वह स्थान डोडा कस्बे से 15 किलोमीटर दूर है । वहां सेना को आने में कितना समय लगेगा, आप खुद इसका अंदाजा लगाइये कि 15 किलोमीटर से सेना आई और सेना आने के बाद स्थिति जो है, सामान्य हो सकी । तो मैं यह जाना चाहता हूं मंत्री महोदय से कि वहां पर यह सरकारी उच्च आफिसर उपस्थित क्यों नहीं थे ? वहां पर सी०आर०पी०एफ० ने बाद में, गोली बारी खत्म होने के बाद उन मकानों, की जहां से गोलियां चलीं थीं वहां की, तलाशी भी या नहीं ली ?

महोदया, मंत्री महोदय यह भी बतायें कि जो हताहत हुये शहरी और सुरक्षा कर्मचारी और जो मरे पुलिस का एक सब इंस्पेक्टर, सी०आर० पी० एफ० का हैड कांस्टेबल और दो शहरी, उनको सरकार की तरफ से क्या मुआवजा दिया गया ? क्या रीलीफ उनको प्रदान की गई है ?

महोदया, मैं मंत्री महोदय से यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या घटना के बाद वहां से सी०आर०पी०एफ० को विदड्रा कर लिया गया ? अगर विदड्रा कर लिया गया तो क्या कारण थे ? इतनी बड़ी घटना होने के बाद से उनका विद-ड्रा करना क्या उस कस्बे को और अधिक आतंकवादियों के हवाले कर देने के बराबर नहीं होगा ?

यही मेरे स्पष्टीकरण हैं, जो मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, 20 जुलाई को श्रीनगर में जो सरकारी सचिवालय है और जो वहां की विधान सभा है, उस पर हमला होता है और थोड़ी-बहुत क्षति भी होती है और इसके बावजूद भी गृह राज्य मंत्री अपने वक्तव्य में कहते हैं कि जो स्थिति श्रीनगर या कश्मीर की है, इस; बेहतरी की दिशा में काफी परिवर्तन आया है । अब अगर सिविल सैक्रेटेरिएट और लेजिस्लेटिव असेम्बली पर अटैक हो और उसके बाद भी अगर कोई सरकार यह सोचे कि वहां की स्थिति में बेहतरी आई है तो उस सरकार को तो मुबारकबाद देनी चाहिये । दूसरी घटना जो डोडा में होती है, उसमें दो पुलिस अधिकारी मारे जाते है, दो सिविलियन मारे जाते हैं । मेरा एक प्रश्न यह है कि क्या यह सही है कि डोडा में जिस दिन घटना हुई अर्थात् 18 जुलाई को, उस दिन वहां पर एक भी वरिष्ठ पुलिस के या एग्जीक्यूटिव अधिकारी वहां पर मौजूद नहीं थे । डोडा जो कस्बा है, जहां तक मेरी जानकारी हो पाई है, उसमें करीब 10 हजार लोगों की आबादी है । मैं यह जाना चाहूंगा कि जिस

[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

दिन वहां पर घटना घटी, उस दिन वहां पर कोई भी पुलिस के या अन्य जो सिविल के अधिकारी हैं, मौजूद थे या नहीं थे ?

दूसरे मैं जानना चाहता हूं कि अभी वहां के गवर्नर ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि जम्मू और कश्मीर में या श्रीनगर में जो अफगान मुजाहिदीन हैं, वे घाटी में सक्रिय हैं। गवर्नर ने इस बात को स्वीकार किया है। इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि इसके बारे में केन्द्र सरकार को क्या जानकारी है ?

तीसरे, जम्मू और कश्मीर में कितने उग्रवादी अब तक आत्म-समर्पण कर चुके हैं ? चौथे, जिन दो लोगों की मृत्यु हुई है, पुलिस के अधिकारी, सब इंस्पेक्टर या जो दूसरे सिविलयन, डोडा में उनके जो आश्रित हैं, उनको सरकार की तरफ से क्या कम्पनसेशन दिया गया है ?

इसी संदर्भ में चूंकि सारे जम्मू और कश्मीर की चर्चा की है, अभी सरकार ने खुद स्वीकार किया है कश्मीरी पंडितों के बारे में, तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जो कश्मीरी पंडित हैं, वे अपने राज्य में वापस जायें, अपने घर में वापस जाकर रह सकें, इस सिलसिले में केन्द्र सरकार की ओर से क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वहां पर आज कितने ऐसे टेरेरिस्ट आरगेनाइजेशन्स हैं जो सक्रिय हैं ? क्योंकि पहले यह कहा जाता था कि करीब-करीब 44 ऐसे टेरेरिस्ट आरगनाइजेशन्स हैं जो वहां पर सक्रिय हैं। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जो 44 टेरेरिस्ट आरगेनाइजेशन्स की बात की जाती हैं, वह वाकई सही है या सही नहीं है और उन टेरेरिस्ट आरगेनाइजेशन्स को खत्म करने के लिये सरकार की ओर से क्या कार्यवाई की जा रही है ?

SHRI N. GIRI PRASAD (Andhra Pradesh): Madam, the Home Minister's statement on Kashmir developments has nothing much to say on the actual incidents which took place in Srinagar and also in Doda town. But the statement contains a sentence here which speaks about some Government assessment of the situation: "The situation in Jammu and Kashmir, though difficult and challenging, has shown a qualitative change for the batter in the past few months". Perhaps, it is in view of this assessment that the Home Minister, Mr. Chavan has also said that elections will be held soon. But recently the Kashmir Governor, Mr. Saxena, has said that there is definitely an increase in the militant activity in the Valley. So, when there is a large amount of activity by the militants, how can the Government come to the conclusion that there is a qualitative change for the better?

That I don't understand. I hope the hon. Minister will explain this position.

Secondly, yesterday our hon. Minister said in a written reply that about 4,450 militants or other people had crossed over to the other side of the line of control and that, perhaps, the might have gone for training and other purposes. If that is true, if thousands of people are crossing over to the other side for getting traning and other things, does it mean that the situation has improved for the better? Moreover, . . . (Time bell rings)

Please, Madam, excuse me.

Please, Madam, excuse me. There are 200 armed. Afghans also inside Kashmir. How did the come inside? That we do not know When Pakistan is helping all these people in a very big way, when people are going and coming back and coming with a lot of training, money and other things, when such things are taking place, what is the basis for Government's assessment of an improvement in the situation in a qualitatively different way?

The other point that 1 would like to ask from the hon. Minister is this. Some suicide squads have also been formed, and they are creating their own problems. If these suicide squads take to large-scale violence and attacks, natural-

ly, it creates serious problems not only in the Kashmir valley but in many other places also. Even one officer was killed. That leads to a lot of heart-burning and anger and also agitation in the minds of the people all over the country. We know, when people were kidnapped, how our countrymen were reacting to those incidents.

Lastly, the- US President, Mr. Rush, in a recent interview on this matter, said:

"U.S. is aware of the nearly half a century of ethnic and religious clashes in Punjab and Kashmir and expects India to ensure that international human rights protocols are upheld."

According', to him, the problem is of maintaining human rights there. But, why should the Government of India, especially the Foreign Minister and other people, not start a dialogue with the USA or take up these matters with the international community, the US President, the US Government? Why should they interfere in these matters? In fact, these are not true also. There have been no clashes for half a century among ethnic groups. We never heard of that. All these things have been created by Pakistani elements. They have been helped by the US Administration also for some time. This is a phenomenon of one decade or so. My appeal to the Minister is that the Government of India should take it up with the US Administration also. Whenever they make such comments, we should object to that. We should educate the people ail over the country on the real situation inside Kashmir. on how Pakistan is helping the terrorist's,. Of course, our Government may be talking to some people here and there. According to me. that is not sufficient. Unless we take it up in a big; way, the international community may take just a neutral attitude on this matter. Particularly the US Administration must be .told to ask the Pakistan Government to stop all this activity encouraging these terrorists,

i hope the Minister would clarify these points and ensure that the situation would turn for the better. But, according to me, it is not such a qualitatively better things it is not such a qualitatively better thing methods of suppressing the militants they must be told that the gun will not win the battle ....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): You have to concude now.

SHRI N. GIRI PRASAD: Yes.

The people must be won over. There are some good symptoms. Because of atrocities committed by the militants on the people, the people are coming back and there may be certain feelings. Perhaps, the Minister may want to convey those sentiments here, but, anyhow, they are not very firm sentiments. It is a very vague idea, and that should be encouraged.

The Government should launch a three-pronged activity—suppressing the militants, also winning over the people and taking it up in a big way all over the world to discourage the Pakistan Government from interfering in our internal affairs.

Thank you. Madam.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया (बिहार) : महोदया, जून के अंतिम सप्ताह और जुलाई के पहले हफ्ते में गृह मंत्री महोदय का बयान आ रहा था कि कश्मीर की अवस्था दिन पर दिन सुधर रही है और वहां चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं और चुनाव की प्रक्रिया वहां की ग्राम पंचायत या म्युनिसिपल कारपोरेशन मे शुरू की जाएगी। पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना जिसके बारे में मंत्री महोदय ने बयान दिया है कि वहां के राज्य सचिवालय और विधानसभा के ऊपर राकेट के माध्यम से हमला किया गया है, यह वाकया बड़ी शर्मनाक चीज है जब कि इतनी पैरा मिलिट्री फोर्सेस की मूवमेंट बार्डर एरिया होने के कारण वहां पर हो रही है। वहां ऐसी घटनायें घट रही हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं। यह बड़ी शर्मनाक चीज है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि चूंकि यह बार्डर का एरिया है और वहां तरह-तरह के राडार्स भी हैं, क्या यह जो

[श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया]

पोर्टेबल राकेट्स हैं, इनको क्या राडार्स कैच करते हैं और अगर राडार्स कैच करते हैं तो यह बहुत ही आसान है लोकेट करना कि किस इलाके से यह राकेट चलाया गया है और जब अगर उस इलाके का आईडेंटिफिकेशन हो जाए तो उस इलाके की काम्बिंग की जा सकती है। पर जहां तक मैं जानता हूं वैली के कुछ इलाके ऐसे हैं जहां आज तक पुलिस प्रवेश नहीं कर सकी है और जब भी प्रवेश करती है तो वहां पर क्रास फायरिंग होती हैं और हथगोले चलते हैं।

महोदया, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि वैली के किस-किस इलाके में आज तक पुलिस या पैरा मिलिट्री फोर्सेस प्रवेश नहीं कर सकी हैं और अगर प्रवेश नहीं कर सकी हैं तो उसके बावजूद कैसे सरकार बयान दे रही है कि वहां चुनाव हो सकते हैं। यह सोचने की बात है। उसके बाद एक नई बात वहां देखने में आई है कि पहले वहां से कश्मीरी लोग माइग्रेट करके चले गए थे पर जो सिख समाज है, वह कश्मीर में बहुत अच्छी संख्या में बसा हुआ है और खास करके देहातों में बसा हुआ है। उन्होंने यह इलाका नहीं छोड़ा था पर अभी कुछ दिनों से वहां पर कुछ ऐसी घटनायें सामने आ रही हैं कि सिख नौजवान लड़कियों का अपहरण हो रहा है और इस अपहरण के आतंक ने देहाती सिखों को भी मजबूर किया है कि वे वहां से माइग्रेट करके दूसरे सेफ प्लेसेज में चले जायें। क्या यह घटनायें सच्ची हैं? इन पर मंत्री महोदय क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं?

श्री म. श. ओबेदुल्ला खान आजमी : (उत्तर प्रदेश) : मैडम, हमारी मरकजी सरकार इस बात से बखूबी वाकिफ है कि कश्मीर में हर निहार जानिब एक खूनी मंजर है जो पूरे कश्मीर में इंसानियत की लाश को और आदमियत के उसूलों को पूरी तरह भस्म कर रहा है। मैं सिर्फ दो बातें जानना चाहूंगा कि होम मिनिस्टर साहब ने कहा है कि श्रीनगर में ऐसेंबली और सेक्रेटेरियट पर आतंकवादियों ने राकेटों से हमला किया है। मैं कहना चाहूंगा और पूछना चाहूंगा कि हादसा तो बहुत खतरनाक है ही जब कि पूरा कश्मीर हादसात का खूनी मंजर पेश कर रहा है। तो ऐसी सूरत में हमारी सरकार ने कश्मीर की ऐसेंबली और सेक्रेटेरियट की हिफाजत का क्या इंतजाम किया है। हुकूमत की नाअहली और होम मिनिस्ट्री की बेहोशी पर यह वाक्या भरपूर रोशनी डालता है जिसकी बराहिरात जिम्मेदारी वजारते दाखिला पर भी गवर्नर रूल राज होने के नाते आयद होती है। क्या होम मिनिस्टर साहब हमें इस बात का यकीन दिलायेंगे कि आइंदा कश्मीर की ऐसेंबली का वकार मजरूह न होने पाए?

दूसरा सवाल, मैडम, मैं यह करना चाहूंगा कि होम मिनिस्टर साहब ने अपने बयान में डोडा शहर कश्मीर में आतंकवादियों और पुलिस की दोतरफा फायरिंग के नतीजे में दो पुलिस के लोग और दो शहरियों के मारे जाने का जिक्र किया है। इसी बयान में यह कहा गया है कि पुलिस को खबर मिली की डोडा शहर के एक मकान में आतंकवादी छिपे हुए हैं। पुलिस और सी.आर.पी.एफ. ने भारी तादाद में पहुंचकर उस मकान को घेर लिया। उसी मकान में आतंकवादियों ने हैंड बम फेंका और दायें-बायें से फायरिंग भी होती रही। इस बयान की रोशनी में मैं मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहूंगा कि जिस मकान को पुलिस ने घेरा था या जिस इलाके की घेराबन्दी की गई थी उसके बावजूद आतंकवादी आपके हाथ क्यों नहीं लगे? क्या उन आतंकवादियों को जमीन निगल गई या आसमान खा गया? आप कहते हैं कि दोतरफा फायरिंग में दो शहरियों की जान गई मगर जिस तरह की लापरवाही के तहत आतंकवादी तो आपके हाथ नहीं आ रहे हैं मगर मैं कहना चाहता हूं कि आपकी पुलिस अव्वल जमुरिमों को पकड़ने में हमेशा नाकाम रहती है अलबत्ता आपकी पुलिस अपना हफ्तावारी लाश का कोटा पूरा करने के लिए इस तरह से बेगुनाह शहरियों का कत्ल जरूर करती है। मैं जानना चाहूंगा कि जिन दो शहरियों को मारे जाने की बात आपने अपने बयान में कही है, सरकार ने उनके वारिसीन को कोई मुआवजा दिया है या नहीं दिया है? मुआवजा देना चाहते हैं या नहीं और अगर मुआवजा देना चाहते हैं तो उसकी रकम क्या होगी?

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی (اتر پردیش): ہماری مرکزی سرکار اس بات سے بخوبی واقف ہے کہ کشمیر میں ہر چار جانب ایک خونی منظر ہے جو پورے کشمیر میں انسانیت کی لاش کو اور آدمیت کے اصولوں کو پوری طرح بھسم کر رہا ہے۔ میں صرف دو باتیں جاننا چاہوں گا کہ ہوم منسٹر صاحب نے کہا ہے کہ سری نگر میں اسمبلی اور سیکریٹریٹ پر آتنکوادیوں نے راکٹوں سے حملہ کیا ہے۔ میں کہنا چاہوں گا اور پوچھنا چاہوں گا کہ حادثہ تو بہت خطرناک ہے ہی۔ جبکہ پورا کشمیر حادثات کا خونی منظر پیش کر رہا ہے۔ تو ایسی صورت میں ہماری سرکار نے کشمیر کی اسمبلی اور سیکریٹریٹ کی حفاظت کا کیا انتظام کیا ہے۔ حکومت کی نااہلی اور ہوم منسٹری کی بیہوشی پر یہ واقعہ بھرپور روشنی ڈالتا ہے۔ جس کی براہ راست ذمہ داری وزارت داخلہ پر بھی گورنر راج ہونے کے ناطے عائد ہوتی ہے۔ کیا ہوم منسٹر صاحب ہمیں اس بات کا یقین دلائیں گے کہ آئندہ کشمیر کی اسمبلی کا وقار مجروح نہ ہونے پائے۔

دوسرا سوال میڈم۔ میں یہ کرنا چاہوں گا کہ ہوم منسٹر صاحب نے اپنے بیان میں ڈوڈا شہر کشمیر میں آتنکوادیوں اور پولیس کی دو طرفہ فائرنگ کے نتیجہ میں دو پولیس کے لوگ اور دو شہریوں کے مارے جانے کا ذکر کیا ہے اسی بیان میں یہ کہا گیا ہے کہ پولیس کو خبر ملی کہ ڈوڈا شہر کے ایک مکان میں آتنکوادی چھپے ہوئے ہیں۔ پولیس اور سی۔ آر۔ پی۔ ایف۔ نے بھاری تعداد میں پہنچ کر اس مکان کو گھیر لیا اسی مکان میں آتنکوادیوں نے ہینڈ بم پھینکا اور دائیں بائیں سے فائرنگ بھی ہوتی رہی۔ اس بیان کی روشنی میں میں منسٹر صاحب سے یہ جاننا چاہوں گا کہ جس مکان کو پولیس نے گھیرا تھا یا جس علاقے کی گھیرابندی کی گئی تھی۔ اس کے باوجود آتنکوادی آپ کے ہاتھ کیوں نہیں لگے۔ کیا ان آتنکوادیوں کو زمین نگل گئی یا آسمان کھا گیا۔ آپ کہتے ہیں کہ دو طرفہ فائرنگ میں دو شہریوں کی جان گئی مگر جس طرح کی لاپرواہی کے تحت آتنکوادی تو آپ کے ہاتھ نہیں آ رہے ہیں۔ مگر میں کہنا چاہتا ہوں کہ آپ کی پولیس اصل مجرموں کو پکڑنے میں ہمیشہ ناکام رہتی ہے۔ البتہ آپ کی پولیس اپنا ہفتہ داری لاش کا کوٹا پورا کرنے کے لیے اس طرح سے بے گناہ شہریوں کو قتل ضرور کرتی ہے۔ میں جاننا چاہوں گا کہ جن دو شہریوں کو مارے جانے کی بات آپ نے اپنے بیان میں کہی ہے۔ سرکار نے ان کے وارثین کو کوئی معاوضہ دیا ہے۔ یا نہیں دیا ہے۔ معاوضہ دینا چاہتے ہیں۔ یا نہیں اور اگر معاوضہ دینا

چاہتے ہیں کہ اس کی رقم کیا ہوگی۔

"ختم شد"

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): Madam Vice-Chairman, thank you very much for giving me an opportunity to seek clarifications on the statement made by the Minister of State for Home regarding rocket attacks in Srinagar and the situation in Doda town. There are three important incidents which have been mentioned in the statement. One, a rocket was fired by the terrorists at Jammu and Kashmir Assembly building on 20th July, 1992. Second, the terrorists hurled a grenade at the raiding party in which one Sub-Inspector of Jammu and Kashmir Police and one Head Constable of CRPF were killed. Third, during the exchange of fire and use of hand-grenades, fire also broke out affecting six houses and 28 shops in the area. May I know from the Minister from where the terrorists, got rockets and larms which they have used against us? I know that Pakistan is provoking all the terrorist activities not only in Jammu and Kashmir but in Punjab also. But the arms seized by our Forces like AK-47 rifles and other weapons are having Chinese markings. Obviously they were manufactured in China. The terrorists are using those weapons against the local population of Jammu and Kashmir. When a rocket was fired at Jammu and Kashmir Assembly building by the terroists, I was wodering who was ruling in that State, whether the Central Government is ruling the State or terrotists are ruling the State. They want to destroy the democratic system of the State. May I know from the Minister what kind of protection has been provided to the J&K Assembly building and the Government officials working there.? May I know from the hon. Home Minister how many terrorists are inside the Jammu and Kashmir State? May I know from the Minister how many terrorist camps are being run in Pakistan-occupied Kashmir? It is crystal-clear that Pakistan is running terrorist camps in Pakistan-occupied Kashmir as well as in their territory. They are imparting training to the terrorists. May I know from the Home Minister how many terrorists are getting training there? Just now my hon. friend has said that 10,000 terrorists have crossed into India. Madam, Pakistan's design is very clear and they want to destabilise our country. *(Time bell rings)* I will finish in two or three minutes.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Please finish in one minute.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Madam, these incidents are taking place since a very long time. This incident is not a new incident. They are taking place every month and every week. May I know from the Minister what steps is he taking to prevent such incidents in future? We have gained sufficient knowledge from these attacks. The Government of India must make adequate arrangements for the eople of Jammu and Kashmir so that they are protected from the attacks cross the border.

As the Home Minister and my hon. friend, Mr. Ahluwalia have stated the situation in the State is improving and the Government is thinking of holding elections there in the near future. May I know from the Minister whether any amicable settlement has been reached with various political leaders there.

My friend has also said that Mr. George Bush wants to mediate and solve the Jammu and Kashmir problem. They raised this issue for more than 40 years and now they want to mediate in the talks. I do not know what type of mediatory role they want to play. Since elections are going to take place in the USA, Mir. George Bush wants to please the electorate that is why he is striving for world peace and something like that. May I know from the Home Minister whether any effort hag been made by Mr. George Bush and the US Government to mediate in the talks? May I know

the talks? May I know from the Minister whether any other country also has come forward to mediate in this problem? What is the fate of the Simla Agreement? There was the Simla Agree ment. All of us know. Mrs. Gandhi made that agreement with Mr. Butto. We always have talked that this problem should be solved on the basis of the Simla Agreement. What is the fate of that agreement?

Then, what is the magnitude of the loss? How many houses and shops have been damaged? What is the compensation given? And, what is the compensation given to the wounded and what is the comoersation given to the next of kin of those who have been killed? Thank you, Madam.

SHRI JAGMOHAN (Nominated): Madam. 1 would first like to indicate how these rockets are used in places where terrorism is going on in Kashmir or other places. There are two ways of doing it. There are some rockets which can he fired by keeping them on shoulders. There is another type of rockets which can be fired from the rocket launcher. Most of the rockets which are used are operative within a two-kilometre radius. To be accurate, they could be (fired from that, place, partcularly from the shoulder. If a rocket can be fired at the Assembly, followed by another within half an hour, that clearly shows that even a radius of two kilometres, there is no control at all and the intelligence agencies, are not functioning at all. Otherwise, after the first rocket was fired, it should have been possible to identify the direction from which the rocket was coming.

The second question which I would like to ask is, is it a fact that the uninber of the security forces has increased tremendously compared to what it was earlier? Is it not a fact that the expeaditure has also increased three times? Is it a fact that casualty is also three time and the effectiveness has come to such a pass when even the intelligence output to th Central Government has been up graded there than it was earlier? In spite of all these, why is that such roc ket attacks cannot even be controlled Of checked? Is it not a fact that whenever any claim is made about the improve ment in the situation, you have an imme diate reaction and they demonstrate that this, claim is not correct? The hon. Home Minister went there and there was a three-day total 'hartal' in the Valley. Two days afterwards, one DSP was kil led in Baramulla. A day after that, an other DSP, who was returning from the funaeral of the first, was also killed. *(Time bell rings).* Madam, I won't take much time. After the bell, I always wind up. But because of the serious ness of the problem of Kashmir, I will complete this point and finish. I may not be able to make the propositions which I want to make. Anyhow, I will complete this point at least and finish. The second DSP who went to the funeral of the first was also killed in spite of all the police around. And then, a Deputy Commandant of the BSF was killed. He was having seven vehicles around him and was travelling in a bulletproof car. And, if we still go no saying that there is a perceptible impro vement in the situation, there is a quali tative improvement in the situation, then I leave it to the nation and to this House to see whether it is a wishful thinking or a feet.:

[Shri Vithalrao Madhavrao Jadhav] Is it also not a fact that whenever we talk of the Assembly dissolution revival of political process, violence escalates because that is the way some people get irritated? The point is that you keep it controlled at the ground level and thereafter, the talk of the political process should be in the air. Otherwise, it will be a counter-productive process. It was done earlier and no lesson was learnt and it only resulted in the death of Mir Mustafa an independent MLA, and Maulvi Farooq. The other thing is the truth was. never faced in Kashmir even when the two incidents occurred. I have always been requesting the Government to put the inquiry report on the death) of Mirwaiz on the Table of the House. It has never been done. Unless we realise where the rouble is, unless we recognise the disease as it is, we cannot (find a solution. This is what is happening in Kashmir. We are not recognising the malady it exists on ground and, therefore, we will always; be stumbling from one crisis to another and when there is a temporary reduction in the crime due to *rozas* and due to winter, we think this is an improvement in the situation. I think this is a very wrong approach and what has happened in Doda makes it quite clear that much greater efforts need to be put in than are being put in at present. Thank you.

श्री राम नरेश यादव : (उत्तर प्रदेश): महोदया, यह वक्तव्य जो आया है इसको देखने से ऐसा लगता है कि वहां जो बस्तुस्थिति है उसको छिपाने की कोशिश की गई है । इससे मन में संदेह भी पैदा होता है कि क्या सचमुच में जिस स्थिति की बेहतरी के बारे में माननीय मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में संकेत दिया है, क्या वास्तव में स्थिति बेहतर हुई है । अगर हुई है तो मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या पहले के मुकाबले हथियार कम मिले हैं, क्या हत्यायें कम हुई हैं ? किस अर्थ में स्थिति में सुधर हुआ है, यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं ? हमें, जिस तरह से वहां पर हत्याएं और अपहरण की घटनायें पिछले दिनों हुई, उससे शंका पैदा हो रही है, क्या उसमें कोई कमी हुई है ? बढ़ोत्तरी किस संदर्भ में हुई है यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं ?

दूसरा पैरा 2 में बात आई है कि आतंकवादी गिरोहों को यह सुनिश्चित करने के लिये कथित तौर पर निर्देश दिये गये हैं । तो क्या कथिततौर पर निर्देश इस बात के दिये गये हैं कि जो नेता लोग हैं उन लोगों की हत्या की जाय ? तो किस तरह की वह शक्ति है ? क्या पाकिस्तान की तरफ से है या उनकी खुफिया एजेंसी के लोगों की तरफ से इस तरह के निर्देश दिये गये कि जाकर इस तरह की बात करिये ?

फिर दूसरी बात यह है कि श्रीनगर कश्मीर जो इस तरह की आतंकवादी गतिविधियों का शिकार रहा है, जहां बड़े से बड़े राजनैतिज्ञों से लेकर दूसरे अधिकारियों तक की हत्याएं हुई हैं, अपहरण हुए हैं तो वहां पर जो सचिवालय है, सेक्रेटेरिएट है, असेम्बली है, जहां बैठक हुआ करती हैं, उस बिल्डिंग की रक्षा करने के लिये इससे पहले क्या व्यवस्था की थी और कार्यवाही की थी ? अगर की थी तो फिर इस तरह की घटना कैसे घटी, इसके बारे में भी मैं जानना चाहता हूं ।

साथ साथ एक बात जो मन को बहुत कुरेद रही है वह यह है कि पैरा 4 से ऐसा लगता है कि वहां पर हमारी जो मशीनरी है वह बिल्कुल फेल हो गयी है । क्योंकि सूचना मिलती है कि घर में छुपे हुए हैं, वहां वह जाते है, सिपाही भी जाते हैं, फौज के लोग भी जाते है, सारे लोग जाते हैं । केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप-अधीक्षक के नेतृत्व में ये सारे लौग वहां जाते है और

जाने के बाद छापा मारने वाले दल पर वे हथगोला मारते हैं और उसमें अपने लोग मारे जाते हैं। यह बहुत ही दुःख और चिंता की बात है कि इतनी सारी शक्ति रहने के बावजूद वहां पर एक भी आतंकवादी उस वक्त नहीं मारा गया, न ही घायल हुआ और न ही पकड़ा गया। वे वहां से किस तरह से भाग गये, उनका पीछा किया गया या नहीं, इस पर इसमें कोई चर्चा ही नहीं है। इसका मतलब यह हुआ कि लगता है या तो हमारी पुलिस फोर्स वहां पर कम है या हमारी जो सुरक्षात्मक व्यवस्था है वह बहुत कमजोर है। अगर कमजोर न होती तो कोई कारण नहीं कि जब निश्चित रूप से सूचना मिली और वहां तैयार होकर गये तो फायरिंग में कोई न कोई आतंकवादी मरता। मगर वहां पर अपने सिपाही मारे गये, प्रशासन के लोग मारे गये और कोई भी आतंकवादी कहीं पर नहीं मारा गया, उनको चोट नहीं लगी और पता नहीं लगा कि वे किस तरफ जा रहे हैं। इसलिये इस स्थिति में माननीय मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि सुरक्षा व्यवस्था की ढिलाई की वजह से वहां पर इस तरह की घटनायें हो रही हैं, इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि इस व्यवस्था को चुस्त करने के लिये आपकी तरफ से क्या-क्या कार्यवाही हुई है?

आखिरी सवाल मैं यह पूछना चाहता हूं कि अभी वहां पर जो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी है उसके सारे लोग वहां काम कर रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जब इस खुफिया एजेंसी के जरिये इस तरह की हरकतें हो रही हैं तो उन एजेंसियों में काम करने वाले कितने लोगों को पकड़ा गया है? और पकड़ने के बाद उन लोगों के पास से किस-किस तरह की चीजें बरामद हुई हैं या नहीं हुई है, यह मैं जानना चाहता हूं। साथ ही साथ, एक आखिरी सवाल करना चाहता हूं। आज के "जागरण" में एक बहुत ही सनसनीखेज समाचार छपा है "तराई में आतंकवादियों में जंगजू भी"। कहने का मतलब यह है कि हमारे उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी जंगजू और खाड़कू लोगों को हथियार देकर भेज रही है। अब पंजाब और जम्मू-कश्मीर से हट कर हमारे उत्तर प्रदेश में भी अस्थिरता का वातावरण पैदा करना चाहती है। वहां पर साम्प्रदायिकता को उभाड़ कर और दूसरे जरिये से पाकिस्तान जिस प्रकार से इस तरह की स्थिति पैदा कर रहा है, उसको रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए गए हैं? यही मैं जानना चाहता हूं।

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (आन्ध्र प्रदेश): मैडम वाइसचेयरमैन, कश्मीर के ताल्लुक से मुताजात बयानात इस हाऊस में दिये जाते हैं। अभी चंद दिन पहले होम मिनिस्टर साहब ने एक बयान दिया था। उस बयान से यहां पर मतलब निकल रहा था कि वहां के हालात सुधर रहे हैं और हकूमत वहां पर इलैक्शन के ताल्लुक से भी सोच रही है। अभी परसों होम मिनिस्टर साहब ने जो बयान दिया, उस बयान से यह पता चला कि कश्मीर की जो लेजिलेस्चर बिल्डिंग है और सेक्रेटेरियेट की बिल्डिंग है, इन पर रॉकेटों से हमले किये गये। जम्मू सेक्टर में जो डोडा टाऊन है, उस डोडा टाऊन में टैररिस्टों और पुलिस की आपसी फायरिंग की वजह से दो पुलिस के लोग मर गये, दो सिविलियन मर गये, कुछ हाऊसेज और शाप्स को नुकसान पहुंचा। यह बिलकुल मुताजात किस्म के बयानात हैं। मैं आनरेबल होम मिनिस्टर साहब से यह पूछना चाहता हूं कि वहां के वाकयात और सही सूरतेहाल हाऊस के सामने ले कर आएं ताकि हम को भी अन्दाज लग सके और उसकी रोशनी में हम कुछ सजेशन दे सकें। सुनने में यह आता है कि कश्मीर में दिन में इण्डिया की हकूमत है और ज्यों ही सूरज गरूब हो जाता है तो रात को टैररिस्टों की हकूमत हो जाती है। क्या यह सच है? मैं आनरेबल होम मिनिस्टर साहब से यह भी पूछना चाहूंगा कि कश्मीर की वैली में जितने भी गांव हैं क्या एक गांव में भी पुलिस और फौज का बन्दोबस्त किया गया है?

[श्री मोहम्मद खलील्उररहमान]

यह मैं पूछना चाहूंगा । इस वक्त डोडा टाऊन की आबादी क्या है और डोडा में कितने पुलिस अफसर मुताइयन किये गये थे, यह भी होम मिनिस्टर साहब से मैं पूछना चाहूंगा । शुक्रिया ।

شری محمد خلیل الرحمٰن (آندھرا پردیش): میڈم وائس چیرمین۔ کشمیر کے تعلق سے متضاد بیانات اس ہاؤس میں دیے جاتے ہیں۔ ابھی چند دن پہلے ہوم منسٹر صاحب نے ایک بیان دیا تھا۔ اس بیان سے یہاں پر مطلب نکل رہا تھا کہ وہاں کے حالات سدھر رہے ہیں۔ اور حکومت وہاں پر الیکشن کے تعلق سے بھی سوچ رہی ہے۔ ابھی پرسوں ہوم منسٹر صاحب نے جو بیان دیا۔ اس بیان سے یہ پتہ چلا کہ کشمیر کی جو لیجسلیچر بلڈنگ ہے۔ اور سیکریٹریٹ کی بلڈنگ ہے۔ ان پر راکٹوں سے حملے کیے گئے۔ جموں سیکٹر میں جو ڈوڈا ٹاؤن ہے۔ اس ڈوڈا ٹاؤن میں ٹیررسٹوں اور پولیس کی آپس فائرنگ کی وجہ سے دو پولیس کے لوگ مر گئے۔ دو سویلین مر گئے۔ کچھ ہاؤسز اور شاپس کو نقصان پہنچا۔ یہ بالکل متضاد قسم کے بیانات ہیں۔ میں آنریبل ہوم منسٹر صاحب سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ وہاں کے واقعات اور صحیح صورتحال ہاؤس کے سامنے لیکر آئیں تاکہ ہم کو بھی اندازہ لگا سکیں اور اسکی روشنی میں ہم کچھ سجیشنس دے سکیں۔ سننے میں یہ آتا ہے کہ کشمیر میں دن میں انڈیا کی حکومت ہے اور جیوں ہی سورج غروب ہوتا ہے تو رات کو ٹیررسٹوں کی حکومت ہو جاتی ہے۔ کیا یہ سچ ہے۔ میں آنریبل ہوم منسٹر صاحب سے یہ بھی پوچھنا چاہوں گا کہ کشمیر کی ڈسٹرکٹ میں جتنے بھی گاؤں ہیں کیا ایک گاؤں میں بھی پولیس اور فوج کا بندوبست کیا گیا ہے۔ یہ میں پوچھنا چاہوں گا۔ اس وقت ڈوڈا ٹاؤن کی آبادی کیا ہے۔ اور ڈوڈا ٹاؤن میں کتنے پولیس افسر متعین کیے گئے تھے۔ یہ بھی ہوم منسٹر صاحب سے میں پوچھنا چاہوں گا۔ شکریہ (ختم شد)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Do you want to say something, Mr. Fernandes?

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, I would like to know one or two important things. We can understand the anxiety of the terrorists in Jammu and Kashmir because they press the panic-button because terrorism is coming to an end with the active cooperation of the people with the law-enforcing agencies. Madam, I want to ask some important things. I would like to know whether the Government is already getting the cooperation of the people of Jammu and Kashmir, whether they are giving any incentives to the informers whenever any arms are seized and whether any reward has also been paid to the informers whenever any terrorists are located in the Valley.

Madam, there are reports that the Government of India has trained an Anti-Terrorist Squad. It was trained abroad, in Israel by Mussad. Therefore, the second important thing I would like to know its whether ths Anti-Terrorist Squad has been put to use because what happened there is very bad it happened during broad daylight, at 1.30 P.M. I would like to know whether this Squad has been put to use in Jammu and Kashmir.

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक ही बात जानना चाहता हूं। कश्मीर में इतने खतरनाक हथियार हमारी हर तरफ से चौकसी के बावजूद बराबर पहुंच रहे हैं। क्या माननीय मंत्री जी को यह जानकारी है कि यह खतरनाक हथियार पाकिस्तान से लगी हुई सीमा से आ रहे हैं?

मेरी जहां तक जानकारी है और आये दिन वहां समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलता है कि जो राजस्थान में बाड़मेर और जैसलमेर का क्षेत्र है जो पाकिस्तान से लगी हुई सीमा है बराबर वहां से बड़े खतरनाक हथियारों की तस्करी हो रही है और काफी बड़ी तादाद में ये हथियार वहां से होकर हिंदुस्तान के आतंकवादी क्षत्रों में चाहे वह पंजाब हो या काश्मीर हो, पहुंचाये जा रहे हैं। तो माननीय मंत्री जी उस क्षत्र से जो हथियारों की तस्करी हो रही है और इतने खतरनाक हथियार जो उस क्षत्र से आ रहे हैं उनको रोकने के लिए क्या कर रहे हैं जिससे काश्मीर में ये आतंकवादी गतिविधियां और हथियारों का आवागमन रुके। यही मैं जानना चाहता हूं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB); Madam, I fully understand the seriousness of the situation arising out of the statement because the statement is based on the actual facts collected from Jammu and Kashmir. One major question asked by most of our friends is, "You say in your statement that the situation is reportedly showing signs of improvement.. If that is so, why are these things happening?" Madam, when we say that there is improvement in the situation in Jammu and Kashmir, we depend on certain factors, like (1) the positive response from the people of Kashmir in general, from all parte including the Valley; (2) the number of militants who are surrendering before the administration; and (3) the presence of policel security personnel in the vulnerable areas in the Valley which were not accessible to police till recently. The major reasons are these and the willingness on the part of the people in the State to cooperate with the administration to give information on various points, on various developments happening in the State. Actually in the year 1991—we have the report—612 militants became inactive and came closer to the Government and surrendered. Even this year over 300 persons have surrendered. But it is a fact that when we started to announce that we believe in democracy and we are going ahead with normalisation through political process and we will very soon conduct elections to the Assembly, to the Parliament as well as

[Shri M. M. Jacob]

to the local bodies—immediately after the election results in Punjab and formation of a democratically elected Government in Punjab—Pakistan stepped up their efforts to show to the world that there is no peace in Kashmir, there is no solution for the Kashmir problem and India cannot conduct an election in Kashmir. We very well see that. Even last night I casually happened to watch a foreign television broadcast in which—date-lined Pakistan; it was at 2 A.M.—three people, three Pakistanis, were discussing on Kashmir issues and all of thern asserted in their deliberations, which was meant for other countries, not really for India, repeatedly that "we are present all oyer Jammu and Kashmir". They mentioned about Doda, what happened there 6.00 P.M. the day before yesterday. They also ment'oned "India is propagating that there is peace in Kashmir which is not true. There is no peace". It is an organised attempt by Pakistan and Pakistani agents to show to the world that, "there is no peace in Kashmir, Kashmir is totally in the hands of militants; so the Indian Government cannot make its writ run in Kashmir". It is really a proxy war as we used to say. In this scenario, we have seen that...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN); Mr. Minister, one minute. Will you complete within a few minutes because at six o'clock we have some other business?

SHRI M. M. JACOB: I will conclude very soon.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN); I would like to take the sense of the House.

डा० अबरार अहमद : मैडम, रोजाना सैंस आफ द हाऊस कल भी 6.00 बजे की गई थी और इसको आज के लिए ट्रांसफर किया था ।

श्री एम० एम० जैकब : कल के लिए डिफ्रेंट प्रोग्राम भी हैं, स्टेटमेंन्ट भी है ।

डा० अबरार अहमद : मैडम, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इसको कल ट्रांसफर किया जाए, मैं तो कह रहा हूं कि इसको आज ही डिस्कस किया जाए । लेकिन 6.00 बजे का टाईम है और कल भी 7.00 बजे गए थे और यह नहीं हुआ था । इसलिए इट शुड बी टेकन अप फर्स्ट ।

श्री रफीक आलम (बिहार) : इसको खत्म करिए ।

SHRI M. M. JACOB; Madam, give me 10 minutes. I have mentioaed in the statement that militants are trying to eliminate those political leaders who are helping in the process of normalisation of the situation. Recently as an immediate fall-out of what is happening, the assassination of Mohammad Ismail Rather *alias Nissar,* the President of the DCCl Baramula, on 7 July, is to be seen.

Shastriji asked me about the compensation paid. It is Rs. 1.25 lakhs for the Police and CRPF personnel and Rs. 1 lakh for civilians. I was also asked whether in Doda 1000 trained militants are there. Our intelligence information is that there are over 200 trained militants in various parts of the

district. I must congratulate the police and the paramilitary forces because they found some militants hiding in a particular house. That is why the whole operation started. When the police suddenly went there to surround that house, firing took place from the neighbouring house. So, two people died in cross-firing. Our people died, police per sonnel died due to firing from that side. These are all facts. It shows that police was present there. Police was going there to find out the militants' hiding place. That itself is a compliment to our paramilitary forces who are working under very difficult circumstances.

Malaviyaji and Yadavji asked me which are the organisations working there. We have found two organisa tions working there, One is Hizbul Mujahideen and the other is Al-Jihad. Mlailaviyaji also asked whether 44 militant organisations are working in Kashmir. In Jammu and Kashmir more than 119 groups of militant organisations are functioning. Some of these organisations are pro-Pakistani and some are not pro-Pakistani. There are some small groups isolated in different names. These are all facts which cannot be forgotten. But at the same time most of the organisations, major organisations are pro-Pakistani; some organisations are trying to be independent and some organisations are irresponsible and always going around doing some mischief.

Then Mr. Giri Prasad has very rightly asked since Pakistan is doing disinformation service and campaign abroad, what we are doing in the Uni ted States and other countries. Natu rally diplomatic level efforts are going on. The Government of India has already taken steps to step up the diplomatic efforts and dialogue with various countries. He also mentioned about Mr. Bush mediating. It has been our consistent stand that this is a matter which concerns India and Pakistan and it has to be solved by us We do not want a third party entering into it. That is the spirit of the Shimla Agreement and we will not agree to any other country coming into the picture. Mr. Ahluwalia asked about the rocket firing and why it could not be located with the help of other sophisticated methods. It is a very pertinent question. At the same time, as Mr. Jagmohan from his experience in Kashmir mentioned, a rocket could be fired anywhere within a radius of 2 kilometres. It need not come earlier. I could even come on the day they are planning to fire and it is not so easy to detect it. But there are instances where such things have been unearthed and located and prompt action taken. Mr. Ram Naresh Yadav asked about how many houses and shops were lost. Six houses and 28 shops were affected.. .

[THE VICE-CHAIRMAN (Shri H. Hanumanthappa) in the Chair]

SHRI S. S. AHLUWALIA; What about the Sikh migration from rural Kashmir?

SHRI M. M. JACOB; I do not have any such report of Sikh migration at the moment. But people have mig rated from some parts and we are look ing after them in the Jammu camps and the Delhi camps including the Kashmir pundits. Another question was asked; "Did you find any subversive elements"? Yes. combing operaiton conducted by the security personnel 21 people were caught from the area. Twenty-one people were apprehended and caught. The rockets were fired from :congested areas in Srinagar city. There was ano ther question asked about the intelli gence reports. We are getting intelli gence reports and based on these reports these combing operations and detecting of the hiding places are done. Actually all this came about as a result of one international broadcast from another country that Doda town was under militants' occupation. The broadcast came from the BBC. But the next day itself the BBC denied it. On the 18fh they said that Doda was under control of militants but on the 19th BBC said. No It was already denied by the police chief from that area. The situation happened like that. There was firing and some militant captured

[Shri M. M. Jacob]

some area". So, that was also said but it was also denied by the Jammu police chief. This was also reported by the BBC. Again, a question was asked about the ISI activities in the area. Mr. Khaleelur Rahman and Mr. Fernandes asked about it. Every one knows that ISI of Pakistan is acti vely engaged in spreading militant acti vities not only in Kashmir area but also in other pockets in India. And India is aware of it and we are taking strong measures to put down their acti vities at the earliest. Mr. Abrar Ahmed asked whethar all the equip ment, the arms and ammunitions and the militants come from across the Kashmir borders. No, they also come from Rajasthan. border. We have information of militants coming from Gujarat border. They are being caught and put into prisons. Pakistan militants, coming from various sources. They come through Gujarat, through Rajasthan and through Jammu and Kashmir borders. This is a fact.

डा० बलदेव प्रसाद : जिन मकानों से गोलियां चलीं, घटना के बाद क्या पुलिस ने छापे मार कर उनकी सर्च की ?

SHRI M. M. JACOB; This is clearly given in the report.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA); We have to take up the next business.

SHRI M. M. JACOB; There are more than 119 terrorist organisations training Camps are located in the Pakistan-occupied Kashmir including the borders of Afghanistan. We have taken up this matter with the other countries through diplomatic channels to see that these terrorist camps are demolished. At that time when Mrs. Bhutto was in power we thought these camps would be demolised. That was the understanding we had. But later on we found that they were still existing and that they were encouraging the terrorist elements which were going to that State. And people are going to that country, they are getting training and they are coming back. • We are also trying to block them and seize their weapons as fas as possible, whenever it is possible. At the moment, what we want is the will of the nation to see that this is fought back with its will-power and the nation must stand united to see Pakistan does not escalate this proxy war and take advantage out of it. And I thank you very much for cooperation with me.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION ON POINTS ARISING OUT OF THE ANSWER GIVEN IN RAJYA SABHA ON 22ND JULY, 1992 TO STARRED QUESTION NO. 202 REGARDING COMMERCIAL EXPLOITATION AND ENCROACHMENT OF RAILWAYS LAND

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra) : Sir, It is very unfortunate that the hon. Railway Minister, Shri Jaffer Sharief, does not find time to come to the House. He was not there when the main question was asked; we heard that he was indisposed. Yesterday the half-lan-hour discussion was to be taken up and he was not there and today again, a very important matter we are discussing and he is not here. . . . *{Interruptions).*

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): The State Minister is here.

SHRI SURESH KALMADI: We know that the State Minister is here.

THE MINISTER OF STATE IN THE (MINISTRY OF RAILWAY (SHRI MALLIKARJUN); Mr. Vice-Chairman. Sir, it is very unfortunate. I actually pro. test. . . (*Interruptions)*

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh): Mr. Kalmadi should be allowed to have his say... *{Interruptions)* .

SHRI S. S. AHLUWALIA: Now the Minister has come.

SHRI SURESH KALMADI: Let him come. That is all right. But you don't